त्यौहारों का बदलता स्वरूप

वृद्धि बंसल
६ ए

त्यौहार मानव समाज के लिए हर्ष का प्रतीक है।त्यौहार मानव को जीवन आनंद पूर्वक जीने की प्रेरणा देता है।त्यौहार प्रेम, त्याग, दान और सेवा के भावों से भरा होता है।हर देश के अपने-अपने त्यौहार होते है।

वर्तमान समय में पूरे विश्व में महामारी है।त्यौहार आकर चले जाते है।लोगों को खुशी नहीं होती, सब कोरोना से परेशान है। त्योहारों में सादगी आ गयी है।देश और परिवार की आर्थिक स्थिति बदल गयी है।लोगों के मन में उत्साह भी समाप्त हो गया।

आज की भाग-दौड़ में आनंद और सुख मानव से दूर चले गए है। त्यौहार बस एक परम्परा के रूप में मनाए जा रहे है।समय के अनुसार त्यौहार के बदलते स्वरूप में भी हमें आनंद लेना चाहिए।